हम शपथ लेते हैं... यातायात निमयों का पालन करेंगे, दूसरों से भी कराएंगे

इगलास : दैनिक जागरण के सड़क सुरक्षा महाअभियान के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की सभी समूह ने भाग लिया। एनएसएस के समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन ने स्वयं सेवकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि हमें सड़क पर चलते समय नियमों का पालन करना चाहिए। इससे हम आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं। विश्व में तमाम लोग प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं में अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं और इसका दंश उनके स्वजनों को झेलना पड़ता है। गोष्ठी के बाद सभी स्वयं सेवक ओपन थ्रियेटर पर एकत्रित हुए। यहां प्रो. सिद्धार्थ जैन ने सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। वहीं दूसरों को भी यातायात निमयों का पालन कराने के लिए जागरुक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डा. पूनम रानी, डा. सोनी सिंह, डा. दीपशिखा सक्सेना, लव मित्तल आदि मौजूद रहे।

सरदार पटेल की जयंती पर मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में सोमवार को देश के प्रथम ग्रहमंत्री लोहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस एवं सप्ताह का भव्य समापन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा के समक्ष विद्यार्थियों व एनएसएस की पांचों इकाईयों के स्वयं सेवकों ने प्राध्यापकों के साथ शपथ ली। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन ने सरदार पटेल के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए राष्ट्र के प्रति सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इसके साथ ही रन फॉर यूनिटी में करीब 250 स्वयं सेवकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. देवप्रकाश दहिया, लव मित्तल, डा. पूनम रानी, डा. सोनी सिंह, डा. दीपशिखा के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. दिनेश पांडे, योगाचार्य डा. शिवकुमार, उमेश शर्मा, रामगोपाल सिंह, सौरभ मिश्रा आदि थे।

टीबी मुक्त भारत के लिए ग्रामीणों को किया जागरुक

अलीगढ़। टीबी जैसी गंभीर बीमारी लोगों में तेजी से बढ़ती जा रही है। यदि लोग जागरुक हो जाए तो हम इस बीमारी को जड़ से खत्म कर सकते हैं। इसी कड़ी में मंगलायतन विश्वविद्यालय में पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग द्वारा संचालित रेडियो नारद 90.4 एफएम एवं स्मार्ट संस्था के सहयोग से टीबी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। गांव मौहकमपुर के सचिवालय में जन जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें टीवी हारेगा देश जीतेगा का नारा दिया गया। ग्रामीणों को रेडियो के माध्यम से प्रसारित कार्यक्रम भी सुनाया गया।

कुलसचिव प्रो. दिनेष शर्मा ने बताया कि टीबी एक गंभीर बीमारी है। केंद्र सरकार ने 2025 तक इस बीमारी को खत्म करने की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि रेडियो नारद व स्मार्ट संस्था के सहयोग से चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम द्वारा टीबी जैसी गंभीर बीमारी को हम हराने में सफल होंगे।

कार्यक्रम में आरजे वीर प्रताप सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी ममता चौधरी, दीपशिखा शर्मा, दीपिका यादव, ज्ञानेंद्र जादौन, हरीश उपाध्याय, अर्जुन उपाध्याय, अब्दुल कलाम, आशाबहु सुनीता, विमलेश व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शारदा का सहयोग रहा।

Editorial Board

Patron
Prof. K.V.S.M. Krishna
Vice Chancellor
Chief Editor
Dr. Santosh Gautam
Special Guidence
Prof. Venkata VPRP
Dr. Dinesh Sharma

Editor
Ms. Manisha Upadhaya
Sub. Editor/Designer
Mr. Yogesh Kaushik
Associate Editor
Mr. Mayank Jain

Reports
Mr. Gyanendra
Ms. Deepshikha
Ms. Deepika, Ms. Shivani
Ms. Khushbu
Mr. Abdul Kalam
Mr. Harish, Mr. Arjun

Mangal Sampark मंगल सम्पर्क

मङ्गलायतन विश्वविद्यालय
विश्वं ह्यागे प्रतिष्ठितम्

Quarter Yearly
Edition : October. - December 2022
pro@mangalayatan.edu.in
www.mangalayatan.edu.in
MANGALAYATAN UNIVERSITY E -NEWS LETTER BY PR UNIT

The TB Challenge Program Launched

21.11.2022 – Radio Narad 90.4 under ages of SMART NGO New Delhi organized The TB Challenge program at Nagar Panchayat Bhawan, Beswan. In which people were made aware to spread public awareness while giving the slogan of TB Harega Desh Jeetega.

The program was started by lighting the lamp in front of the first god Shri Ganesh. Head of Department Dr. Santosh Gaumat gave detailed information regarding the programme. Addressing the program, Chief Guest CHC Superintendent Dr. Rohit Bhati said that disease like TB is no longer incurable. Free treatment is available at every CHC by the government. The government aims to provide free, high-quality TB treatment to all patients. Special guest Chairman Manoj Kumar said that the disease can be eradicated through public awareness programmes. CDPO Vishnu Kumar informed about the initiatives of the government to avoid malnutrition. He said that if the child is saved from malnutrition from the very birth, then diseases like TB will also be saved. If you see symptoms of TB, you must get tested. Dean Faculty of Humanities Prof. Jayantilal Jain said that there is a need to make TB eradication a mass movement and common people will have to ensure participation in it, only then we will be able to eradicate this disease. TB officer Amarendra Chaudhary said that TB is not an incurable disease. By getting timely treatment, the patient becomes completely healthy. The treatment at CHC is free and the patient is given Rs 500 per month as nutrition during the period of treatment. Assistant Professor Manisha Upadhyay proposed vote of thanks. Operation was done by RJ Veer Pratap. Registrar Prof in the program. Dinesh Sharma, Satyaprakash Rathi, Premveer Singh, Ravi Chowdhary, Mamta Chowdhary had special support. Aashi, Deepak Kumar, Juhi Chauhan, Divya, Satakshi Mishra, Deepak Chaudhary along with Asha and Anganwadi workers were present on this occasion.

प्रो. पीके दशोरा बने मंगलायतन विश्वविद्यालय के नए कुलपति

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय को नए कुलपति के रुप में प्रो. पीके दशोरा मिले है। षनिवार को उन्होंने विश्वविद्यालय में पदभार ग्रहण कर लिया है। नए कुलपति का विश्वविद्यालय परिवार द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने सभी संकायों के डीन व विभागाध्यक्षों के साथ वीसी सभागार में बैठक कर परिचय प्राप्त किया।

प्रो. दशोरा ने बताया कि उनका पहला लक्ष्य विश्वविद्यालय के हित को सर्वोपरि रखते हुए नैक (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रिडिएशन काउंसिल) की मान्यता दिलाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को रोजगार परक शिक्षा, बेहतर सुविधाए और विद्यार्थियों के समग्र विकास को वरीयता देंगे। मंगलायतन विश्वविद्यालय प्रगति की नई ऊंचाईयों को छुए, शोध के विद्यार्थियों की संख्या बढ़े, विद्यार्थियों, प्राध्यापकों व विवि के हित में सदैव सक्रियता और संवेदनशीलता से कार्य करने की कोशिश रहेगी। हमारा लक्ष्य छात्र के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण कर एक आदर्श नागरिक तैयार करना होना चाहिए। इस अवसर पर निवर्तमान कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. जयंतीलाल जैन, डायरेक्टर हॉस्पीटल प्रो. वैंकट, डीन अकेडमिक प्रो. उल्लास गुरुदास आदि मौजूद रहे।

प्रो. पीके दशोरा संक्षिप्त परिचय : प्रो. पीके दशोरा उदयपुर (राजस्थान) के मूल निवासी है। स्नातक स्तर तक की शिक्षा उदयपुर व स्नातकोत्तर (सांख्यिकी विषय में) राजस्थान विश्वविद्यालय से प्राप्त की है। कुलपति चयन समिति के सदस्य रहे। कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति तथा महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर तथा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति के अतिरिक्त प्रभार का निर्वहन किया। आपने राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में छह वर्श का कार्यकाल भी पूरा किया है। वर्तमान में महासचिव विद्या भारती राजस्थान, महासचिव प्रताप गौरव केंद्र उदयपुर, अध्यक्ष आदर्श विद्या मंदिर माउंट आबू, अध्यक्ष बप्पा रावल सोसायटी, अध्यक्ष बनांचल शिक्षा समिति के महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। 1980 में उदयपुर विश्वविद्यालय/राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय/महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में व्याख्याता अनुसंधान के पद से सेवायें प्रारंभ कर विश्वविद्यालय में कृषि सांख्यिकी एवं संगणक अनुप्रयोग विभाग में विभागाध्यक्ष, आचार्य, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, समन्वयक सूचना एवं प्लेसमेंट ब्यूरो, कॉर्डिनेटर एनएसएस, चेयरमेन खेल मंडल, सलाहकार विदेशी छात्र प्रकोष्ठ, आवास अधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। करीब 450 शोधार्थियों के सलाहकार रहे। 700 अधिस्नातक विद्यार्थियों के सलाहकार रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर की चार पुस्तकें संपादित की। 80 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरस्कारों व सम्मानों से गौरवांवित हो चुके हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान और केंद्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सदस्य भी रहे हैं।

क्षेत्रीय भाषाओं के दम पर भारत बन सकता हैं महाशक्ति : जोशी

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हुआ दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय व वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विषय वैज्ञानिक और तकनीकी शिक्षा में भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावली का महत्व था। कार्यक्रम में विद्वान वक्ताओं द्वारा अपने विचार रखे गए। वक्ताओं ने शिक्षा में भारतीय भाषाओं के प्रचलन पर बल दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित करके मुख्य अतिथि आयोग के वाइस चेयरमैन अनिल जोशी, विशिष्ठ अतिथि ज्वाइंट डायरेक्टर एमएल मीना, कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा ने किया। डीवीपीए विभाग द्वारा सरस्वती वंदना व कुलगीत की प्रस्तुति दी गई। कुलसचिव प्रो. दिनेष षर्मा ने विश्वविद्यालय का परिचय देने के साथ ही अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि अनिल जोशी ने शिक्षा में हिंदी को महत्व देने की बात कहते हुए कहा कि शब्दावली को लेकर चिंतन करने की आवश्यकता है। हमें भारतीय भाषा की शब्दावली को प्रचलन में लाना होगा। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के साथ अंग्रेजी को सिर्फ पूरक भाषा रखें। क्योंकि भारत अंग्रेजी के दम पर महाशक्ति नहीं बन सकता सिर्फ भारतीय भाषाओं के दम पर ही हम अपने देश को महाशक्ति बना सकते हैं। उन्होंने कई उदाहरण देकर भारतीय भाषाओं के महत्व को समझाया। विशिष्ठ अतिथि एमएल मीना ने आयोग के गठन पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि आयोग विषय विशेषज्ञों के सहयोग से ही शब्दावली तैयार करता है। हमें यह शब्द कठिन लगते हैं लेकिन यदि हम शब्दावली का प्रयोग करने लगेंगे तो हमें सभी शब्द आसान लगने लगेंगे। स्वतंत्रता के बाद अंग्रेजी के बढ़ते चलन पर हमें विचार करने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय भाषण में कुलपति प्रो. कृष्णा ने कहा कि हम लोग कई पीढ़ियों से अपनी भाषा को निरलक्ष्य करते आ रहे हैं। इसलिए हम ना अंग्रेजी में प्रमुखता पा सके और ना अपनी भाषा में यह बहुत गंभीर विषय है। हमें अपनी भाषा की प्रमुखता को समझना चाहिए। हम अंग्रेजी पर निर्भर हो गए हैं, लेकिन अंग्रेजी पढ़ना और उसमें दक्ष होना अपनी जगह है। उन्होंने कहा कि शब्द अनश्वर है ये कभी मरता नहीं है। हमें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना चाहिए।

वहीं प्रथम व द्वितीय सत्र में गलगोटिया विश्वविद्यालय के प्रो. प्रशांत जौहरी, सीएसआइआर के पूर्व निदेशक डा. मनोज पटेरिया, पूर्व प्रबंधक एनएसआइसी टीएस राजपूत, प्रो. वाईपी सिंह, डा. दीपशिखा सक्सेना ने तकनीकी शब्दावली पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम संयोजक प्रो. रवि कांत व सह समन्वयक डा. राजेश उपाध्याय व डा. श्वेता भारद्वाज ने किया। इस अवसर पर प्रो. जयंतीलाल जैन, उल्लास गुरुदास, प्रो. देवप्रकाश, प्रो. आरके शर्मा, प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. अशोक पुरोहित, डा. राजीव शर्मा, डा. संतोष गौतम, राजेश पंचसारा, डा. हैदर अली, डा. विकास शर्मा, डा. सोनी सिंह, ओमशंकर द्विवेदी, तरुन शर्मा, लव मित्तल, डा. पूनम रानी, मयंक जैन आदि थे। प्रथम दिवसीय कार्यक्रम का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ।

प्रो. वैंकट, डा. संजय, डा. दीपमाला व डा. अशोक उपाध्याय की पुस्तकों का विमोचन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के प्रो. वैंकट वीपीआरपी की पुस्तक सप्लाई चेन मैनेजमेंट, शिक्षा संकाय विभाग के असिस्टेंट प्रोफेशर डा. संजय पाल की पुस्तक फिलोसॉफिकल फाउंडेशन एंड एस्पेक्ट ऑफ एजुकेशन और पुस्तकालय विभाग की असिस्टेंट प्रोफेशर डा. दीपमाला व विभागाध्यक्ष डा. अशोक उपाध्याय की पुस्तक ट्रेंडस एंड इम्पलीकेशंस ऑफ ऑनलाइन डेटाबेस इन एकेडमिक लाइब्रेरीज का विमोचन वीसी सभागार में हुआ। पुस्तकों के विमोचन पर कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा व कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीनों ही पुस्तकें विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होंगी।

डा. संजय पाल ने बताया कि उनकी पुस्तक का प्रकाशन डायनेमिक एजुकेशन रिसर्च सोसाइटी द्वारा किया गया है। उन्होंने उच्च शिक्षा के विकास हेतु पुस्तक तैयार की है। बीए, बीएड, एमए, पीएचडी एवं रिसर्च शिक्षा की नई खोज के लिए यह पुस्तक उपयोगी साबित होगी। डा. अशोक उपाध्याय ने बताया कि पुस्तक का प्रकाशन डीपीएस पब्लिशिंग हाउस द्वारा किया गया है। उनकी पुस्तक अकादमिक पुस्तकालयों में ऑनलाइन डेटाबेस के उपयोग के बारे में बताती है। इसका उद्देश्य ऑनलाइन डेटाबेस के विभिन्न पहलुओं की जांच और उसे प्रस्तुत करना है। इस अवसर पर प्रो. उल्लास गुरुदास, प्रो. जयंतीलाल जैन, प्रो. वैंकट, प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. महेश शर्मा, प्रो. वाईपी सिंह, प्रो. आरके शर्मा, प्रो. रविकांत, प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रो. अंकुर अग्रवाल, डा. मनोज पटेरिया, डा. देवप्रकाश दहिया, डा. संतोष गौतम, डा. सौरभ कुमार, डा. हैदर अली, डा. पूनम रानी, डा. आकांक्षा सिंह, राजेश पंचसारा आदि उपस्थित थे।

एलुमनी मीट का आयोजन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह के उपरांत पुरातन छात्र मिलन समारोह का आयोजन हुआ। शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पुरातन छात्रों का स्वागत तिलक लगाकर, अंग वस्त्र एवं टी–शर्ट प्रदान करके किया गया।

प्रो. वीपीआरपी वेंकट ने विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए उनकी कुशल क्षेम पूछी। डायरेक्टर स्टूडेंट एक्टिविटी प्रो. सिद्धार्थ जैन ने पुरातन छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी छात्र के लिए उसकी शिक्षण संस्था एवं शिक्षण संस्था के लिए छात्र उसी प्रकार महत्वपूर्ण है जिस प्रकार शरीर के लिए आत्मा, दोनों ही एक दूसरे के लिए जाने जाते हैं एवं जीवन पर्यन्त अटूट बंधन से जुड़े रहते हैं। पुरातन छात्र परिषद की अध्यक्षा डा. सोनी सिंह ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि मुझे मंविवि की छात्रा होने की गरिमामयी अनुभूति सदैव आनंदित करती है। कार्यक्रम में 100 से अधिक पुरातन छात्रों ने सहभागिता की और छात्र जीवन के संस्मरण सुनाकर पुरानी यादों को ताजा किया। संयोजक प्रवक्ता लव मित्तल रहे। कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने शुभमानाएं दीं। इस मौके पर सलोनी, शशांक, मोहित, भव्या, आरती, लक्ष्मी, मयंक, महक, लोकेश, कृति, प्रेक्षा आदि थे।

आयुर्वेदा दिवस पर मनाया धन्वंतरि जयंती

मंविवि में आयुर्वेद दिवस पर मंचासीन कुलपति, कुलसचिव व अन्य।

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय में भगवान धन्वंतरि का अवतरण दिवस आयुर्वेदिक मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर द्वारा आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान आयुर्वेद के जनक कहे जाने वाले भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना की गई।

कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा, कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, निर्देशक प्रो. बैंकट वीपीआरपी, डीन एकेडमिक प्रो. उल्लास गुरुदास, एफओ मनोज गुप्ता, प्राचार्या डा. कुमुदनी पवार ने भगवान धन्वंतरि की पूजा की। डा. पीसी शुक्ला ने विधि विधान से पूजन संपन्न कराया और भगवान धन्वंतरि के अवतरण से लेकर आयुर्वेद की जीवन में उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। कुलपति ने कार्यक्रम के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जीवन में आयुर्वेद को महत्वपूर्ण बताया। इसके बाद गांव मौहकमपुर में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणों को वर्तमान में बदलती जीवनशैली में आयुर्वेद की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। डा. पीसी शुक्ला व डा. श्याम ने घर व आसपास मौजूद औषधियों व उनके उपयोग की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद विज्ञान के साथ जीवन जीने की कला है। इस मौके पर डा. प्रियंका, डा. नीरज कुमार, डा. अजय कुमार गौड़, डा. विष्णु के., नितिन कांत कुलश्रेष्ठ, डा. रेखा रानी, राघवेंद्र सारस्वत, रामभुवन, ममता, मनीष यादव, सूर्य प्रताप सिंह आदि थे।

अनुज ने बैडमिंटन में जीता गोल्ड

अलीगढ़। यूथ गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नई दिल्ली में 14 से 16 अक्टूबर को यूथ गेम्स ऑल इंडिया नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन कराया गया था। चैंपियनशिप में देश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे खिलाड़ियों के साथ ही मंगलायतन विश्वविद्यालय के खिलाड़ी अनुज शर्मा ने अंडर–19 वर्ग में प्रतिभाग किया था।

विश्वविद्यालय के क्रीडा अधिकारी डा. शिवकुमार ने बताया कि अनुज शर्मा ने पश्चिम बंगाल के अपने प्रतिद्वंदी को 24–22 से हराकर जीत दर्ज कराई है। उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। बुधवार को मंविवि के कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने अनुज षर्मा को गोल्ड मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कुलपति के साथ ही कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. सिद्धार्थ जैन, राजेश पंचसारा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग में राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जन संचार विभाग में बुधवार को राष्ट्रीय प्रेस दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। पत्रकारिता के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने केक काटकर शुभकामनाएं प्रेषित की।

मुख्य अतिथि मानवीय संकाय के डीन प्रो. जयंतीलाल जैन ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने देश में पत्रकारिता के बदलते स्वरुप पर विचार रखे। विभागाध्यक्ष डा. संतोष गौतम ने प्रेस दिवस मनाए जाने के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना 16 नवंबर 1966 को हुई थी। इसका उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रा के साथ जिम्मेदारी की ओर ध्यान आकृष्ट कराना था। क्योंकि प्रेस की स्वतंत्रता सर्वोपरि है, यह शासन और जनता के मध्य सेतु का कार्य करती है। सहायक प्रोफेशर मनीषा उपाध्याय ने कहा कि आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन के रुप में थी। लोकतंत्र में प्रेस का बड़ा महत्व है। समय के साथ पत्रकारिता में काफी बदलाव आया है। पत्रकार योगेश कौशिक ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण होता है। सामाजिक बुराईयों के लिए सिर्फ पत्रकारों को दोषी नहीं ठकराया जा सकता। समाज को भी पत्रकारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना चाहिए।

गोमती कला कुंज (डीवीपीए आर्ट गैलरी) में एक अनूठी पेंटिंग, मूर्तिकला और डिजिटल कला कृतियों की प्रदर्शनी 'अभिव्यक्ति' का आयोजन किया गया।

ज्ञानेंद्र मिस्टर फ्रेशर व शिवानी बनीं मिस फ्रेशर

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर्स के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। उनके अभिनंदन में क्षिप्रा सभागार में दी गई फ्रेशर पार्टी में मिस्टर फ्रेशर ज्ञानेंद्र सिंह और मिस फ्रेशर शिवानी सेठी को चुना गया। वहीं मिस परफॉर्मर दीपशिखा और मिस्टर परफॉर्मर ज्ञानेंद्र सिंह को चुना गया। मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर को ताज पहनाकर व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

धूमधाम से मनाया दिगंबर जिन मंदिर का वार्षिकोत्सव

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय स्थित दिगंबर जिन मंदिर का 12 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। विवि परिसर जैन भजनों से गुंजायमान रहा। शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। तद्उपरांत पंडित कैलाश चंद जैन परिवार द्वारा जिनवाणी विराजमान की और शांति विधान किया गया।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पी.के. दशोरा ने कहा कि हम सभी का सौभाग्य है कि हम उस विवि में है जिसकी कीर्ति जिनालय से निरंतर प्रकाशमान होती है। कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा ने शुभकामना देते हुए कहा कि विगत वर्षों में विवि उन्नति के नए आयामों को स्पर्श किया है। तीर्थधाम मंगलायतन अलीगढ़ के निर्देशक पंडित सुधीर शास्त्री ने जैन धर्म के सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिन मंदिर आध्यात्मिक शिक्षालय होते हैं। प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने कहा कि जिन मंदिर विश्वविद्यालय की कीर्ति का प्रमुख केंद्र है और भगवान महावीर के आशीर्वाद से निरंतर प्रगतिशील है। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. जयंतीलाल जैन ने संसारी जीव और मुक्त जीव को परिभाषित करते हुए शांति विधान के मूल विषयों पर प्रकाश डाला। पंडित समकित शास्त्री ने जैन भजन सुनाए। अनिल जैन ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह व साहित्य देकर सम्मानित किया। प्रो. सिद्धार्थ जैन ने आभार व्यक्त किया व संचालन मयंक जैन ने किया। आयोजन की व्यवस्था एमयूएसी ने संभाली। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, आशा जैन, लव मित्तल, राजेश पंचसारा, रामकुमार, निवेदन तोमर एवं छात्र मोहित, पलक, रोहित, शगुन, मनीष, आयशा आदि उपस्थित रहे।

छात्र स्वयं सहायता समूह का गठन

अलीगढ़। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे रोजगार के लिए कौशल निर्माण कार्यक्रम के तहत मंगलायतन विश्वविद्यालय में छात्र स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. केवीएसएम कृष्णा ने मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित करके किया।

कुलपति ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों द्वारा स्वयं सहायता समूह बनाना उद्यमिता और कौशल निर्माण के दिशा में आवश्यक कदम है। उन्होंने एमजीएनसीआरई की सराहना करते हुए कहा कि कौशल, व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा युवाओं की रोजगार योग्यता का मार्ग प्रसस्त करेगी।

एमजीएनसीआरई के विषेशज्ञ पी. सुधीर कुमार ने बताया कि परिषद देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ जुड़कर व्यावसायिक शिक्षा, रोजगार के लिए कौशल, सतत विकास, ग्रामीण व सामाजिक उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। विश्वविद्यालय में 15 समूह बनाए गए हैं। समूहों को संचालित करने के लिए करीब 50 प्राध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।